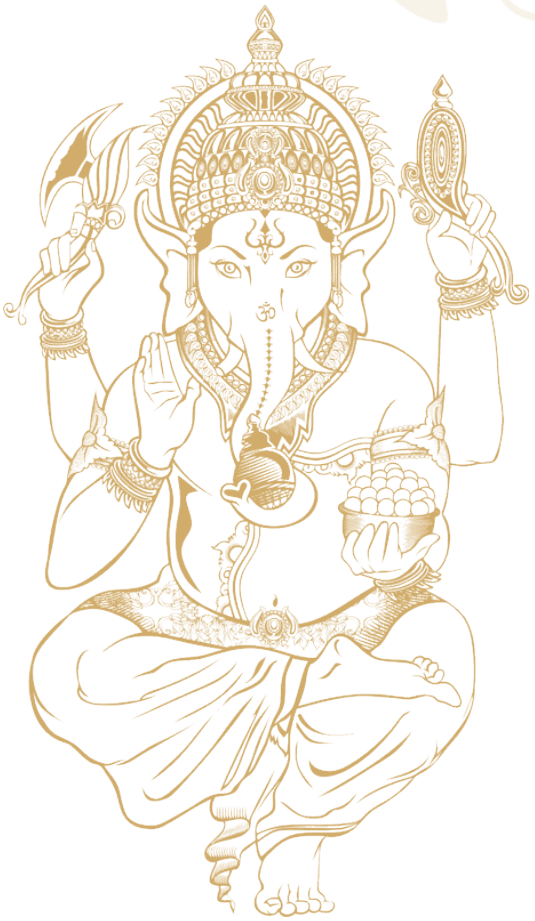

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120185004

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/07/1994	जन्म तिथि	07/04/1996
सोमवार	दिन	रविवार
घंटे 17:20:00	जन्म समय	23:30:00 घंटे
घटी 28:16:13	जन्म समय(घटी)	42:38:07 घटी
India	देश	India
Surat	स्थान	Jodhpur
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	26:18:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	73:08:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:30	सूर्योदय	06:22:25
19:24:20	सूर्यास्त	18:57:09
23:47:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:22

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 1मा 19दि	20:51:53	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	24:33:33	शनि 6वर्ष 11मा 2दि
राहु	18:29:39	मिथु	सूर्य	मीन	24:23:20	केतु
22/08/2016	28:35:17	मेष	चंद्र	वृश्चि	11:48:32	10/03/2020
23/08/2034	06:36:37	वृष	मंगल	मीन	17:08:11	11/03/2027
राहु 05/05/2019	05:51:06	मिथु व	बुध	मेष	05:25:36	केतु 06/08/2020
गुरु 28/09/2021	10:59:32	तुला	गुरु	धनु	22:44:17	शुक्र 06/10/2021
शनि 04/08/2024	28:29:19	कर्क	शुक्र	वृष	10:04:25	सूर्य 11/02/2022
बुध 21/02/2027	18:30:47	कुंभ व	शनि	मीन	06:14:24	चन्द्र 12/09/2022
केतु 11/03/2028	29:04:19	तुला	राहु व	कन्या	23:19:39	मंगल 08/02/2023
शुक्र 12/03/2031	29:04:19	मेष	केतु व	मीन	23:19:39	राहु 27/02/2024
सूर्य 03/02/2032	01:04:56	मक व	हर्ष	मक	10:22:47	गुरु 02/02/2025
चन्द्र 04/08/2033	28:27:07	धनु व	नेप	मक	03:49:02	शनि 14/03/2026
मंगल 23/08/2034	01:46:14	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	09:00:45	बुध 11/03/2027

लग्न-चलित

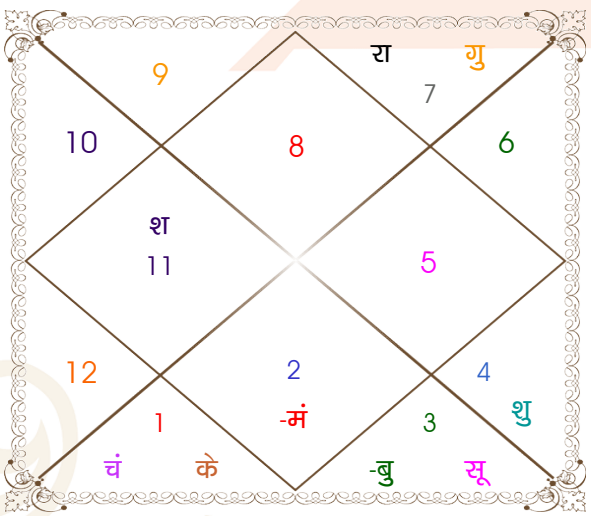

लग्न-चलित

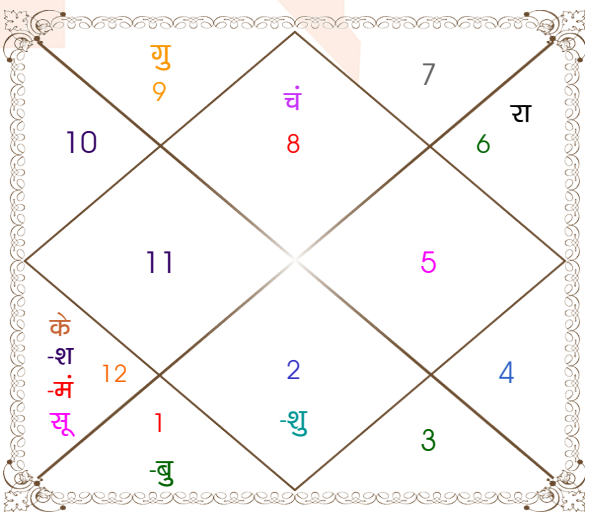

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।